सभी को स्वास्थ्य प्रदान करना

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (शासन व्यवस्था) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक - केंजी हिरमात्सु (भारत में जापानी राजदूत)

12 दिसंबर, 2018

"सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को बढ़ावा देने के लिए जापान और भारत कई परियोजनाओं पर अपने विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।"

आज, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) दिवस पर, मेरे लिए (लेखक) यह आश्चर्य की बात है कि बहुत कम पाठक यूएचसी के बारे में जानते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यूएचसी का अर्थ है हर जगह वित्तीय कठिनाई का सामना किए बिना सभी को आवश्यक गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान हो।

हालाँकि, यह एक आम बात लगती है, मगर कभी-कभी आम बातें भी एक बड़ी चुनौती बन जाती हैं। जापान यूएचसी की ओर अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें अगले वर्ष हमारी अध्यक्षता के तहत टिकाऊ विकास लक्ष्यों और जी-20 एजेंडा में शामिल होना है, क्योंकि स्वास्थ्य हमारे मौलिक अधिकारों में से एक है।

यूएचसी हर किसी को इन सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि इन सेवाओं की गुणवत्ता उन लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए पर्याप्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन 2014 से ही दक्षिण-पूर्वी एशिया में यूएचसी कार्यक्रम के जरिए तमाम देशों में स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान करने की दिशा में पहल कर रहा है।

हाल ही में WHO ने दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र के सदस्य देशों से यूएचसी की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है। WHO का कहना है कि सेहतमंद आबादी ही ज्यादा उत्पादक इकनॉमी का आधार तैयार करती है। WHO का कहना है कि स्वस्थ जीवन हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इन्ही उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज जैसे रिजॉल्यूशन्स का जन्म हुआ। हर व्यक्ति को बिना किसी परेशानी के अच्छी क्वालिटी की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाना इस रिजॉल्यूशन का प्रमुख उद्देश्य है।

भारत ने 'आयुष भारत' के माध्यम से यूएचसी की तरफ पहला कदम उठाया है। यह चुनौती उस पथ की याद दिलाती है, जिसे जापान ने आधी सदी से अधिक समय पहले अपनाया था। जापान ने 1961 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कवरेज को स्थापित किया था और यह उस समय था, जब जापान आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा का विस्तार करने और पूरे जापान में मेडिकल स्कूल स्थापित करने के लिए एक प्रमुख राजनीतिक निर्णय की आवश्यकता थी।

यूएचसी का कार्यान्वयन केवल प्रारंभिक और विशाल राष्ट्रीय निवेश के माध्यम से और स्वास्थ्य, वित्त और शिक्षा मंत्रालयों के साथ-साथ स्थानीय सरकारों के साथ काम कर रहे व्यापक प्रयासों के माध्यम से संभव हो सकता था।

इस निवेश का भुगतान किया गया है। यूएचसी ने जापान में स्वस्थ लोगों और स्वस्थ श्रमिकों की संख्या में वृद्धि की है। इसने जापान के आर्थिक चमत्कार में योगदान दिया है। इसके अलावा, यूएचसी ने आय के पुनर्वितरण के लिए एक तंत्र के रूप में काम करके सामाजिक इक्विटी सुनिश्चित की है। जापान में सबसे दूरस्थ स्थानों में भी, आपको स्वास्थ्य देखभाल के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

हम बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए व्यापक परियोजनाओं में भारत के साथ साझेदारी कर रहे हैं। जापान ने पहले भी भारत में पोलियो को खत्म करने के लिए भारत के साथ काम किया है। आज, जापानी और भारतीय डॉक्टर कोलकाता में जापान द्वारा स्थापित दस्त पर अनुसंधान और नियंत्रण केंद्र में विचारों और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान कर रहे हैं और चेन्नई में बने बच्चों के अस्पताल में नवजात बच्चों की अनमोल जिंदगी बचाई जा रही है। तमिलनाडु के 17 शहरों में, शहरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को हमारे सहयोग से मजबूत किया जा रहा है।

जब अक्टूबर के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान गए, तो भारत और जापान ने 'आयुषमान भारत' और जापान के 'एशिया स्वास्थ्य और कल्याण' पहल के बीच तालमेल को आगे बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य देखभाल पर सहयोग के एक नए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

हमारा उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में हमारे सहयोग को आगे बढ़ाना है, जैसे- आघात की सर्जरी में डॉक्टरों के कौशल को सम्मानित करना और जापानी देखभाल करने वाली सुविधाओं में पढ़ाई करने वाली भारतीय नर्सों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना। हमें आशा है कि इन प्रयासों से बेहतर स्वास्थ्य पारिस्थितिक तंत्र और भारत में यूएचसी को बढ़ावा मिलेगा।

जापान भारत से भी सीखना चाहता है। उदाहरण के लिए, आयुर्वेद जापान की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में एक नया आयाम ला सकता है। यूएचसी की ओर रास्ता छोटा नहीं है। लेकिन भारत ने पहला बेहतर कदम उठाया है और जापान इस मार्ग पर भारत के साथ है।

GS World टीम...

यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज

क्या है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस साल स्वास्थ्य दिवस की थीम 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज: एवरीवन, एवरीवेयर' रखी है।
- यूएचसी यानी कि यूनीवर्सल हेल्थ कवरेज का मतलब है सभी लोगों और समुदायों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना किए बिना स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।
- यूएचसी हर किसी को इन सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि इन सेवाओं की गुणवत्ता उन लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए पर्याप्त है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन 2014 से ही दक्षिण-पूर्वी एशिया में यूएचसी कार्यक्रम के जरिए तमाम देशों में स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान करने की दिशा में पहल कर रहा है।

पृष्ठभूमि

- हर साल दुनिया भर में 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 7 अप्रैल, 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना हुई थी।
- जिसके दो साल बाद से यानी कि 1950 से हर साल इस दिन स्वास्थ्य दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल स्वास्थ्य दिवस पर एक थीम निर्धारित करता है।
- पिछले साल यह थीम अवसाद की समस्या से संबंधित रखी गयी था। इस साल WHO ने स्वास्थ्य दिवस की थीम यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज रखी है।
- इसके तहत विश्व भर के लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति सचेत रखने का उद्देश्य है।
- इसके अलावा दुनिया भर के लोगों को बिना किसी आर्थिक समस्या का सामने किए स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैय्या कराना इस साल की थीम का प्रमुख उद्देश्य है।

समस्याएँ

- अगर सरकारी आंकड़ों (एनएसएसओ-2014) पर ही ऐतबार कर लिया जाए तो आज करीब 10 लाख लोग धन की कमी या स्वास्थ्य ढांचे के अभाव में इलाज की सुविधा नहीं ले पाते।
- जबकि करीब 8 करोड़ आबादी हर साल इलाज के भारी-भरकम बोझ की वजह से अपनी संपत्तियों को बेचकर गरीबी रेखा के नीचे पहुंच जाती हैं।
- जबकि 30 करोड़ लोग पहले ही बीपीएल हैं, जो इलाज पर खर्च की वजह से और गरीब होते जा रहे हैं।

भारत-जापान संबंध

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की दो दिवसीय यात्रा पर भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया।
- प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने जापानी समकक्ष शिंजो आबे के साथ नरेंद्र मोदी की ये 12वीं मुलाकात थी।
- दोनों के बीच पहली मुलाकात सितंबर, 2014 में हुई थी। उसके बाद से वो कई अलग-अलग मौकों पर एक-दूसरे से मिल चुके हैं।
- यात्रा में भारत-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करने, तीसरी दुनिया में संयुक्त बुनियादी संरचना परियोजनाएं संचालित करने और रक्षा तथा व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संबंध और मजबूत करने पर ध्यान दिया गया।

महत्त्वपूर्ण क्यों?

- इस यात्रा के खास मायने इसलिए भी थे क्योंकि जापान भारत में बड़ा निवेशक है।
- भारत में चलने वाली बुलेट ट्रेन परियोजना में वह बड़ा साझेदार है। वहीं भारत जापान से करीब 18 बुलेट ट्रेन की खरीद भी करने वाला है।
- वहीं वैश्विक स्तर पर यदि पीएम की इस यात्रा के बारे में जाना जाए तो जापान ने कई विश्व मंचों पर भारत का साथ दिया है।
- इसी वर्ष जून में भारत में जापानी राजदूत केंजी हिमरत ने कहा था कि उनका देश भारत को एनएसजी का सदस्य बनाए जाने का समर्थक है।
- जापान, भारत का मूल्यवान साझेदार होने के साथ-साथ रणनीतिक और वैश्विक साझेदार भी है।
- दूसरी तरफ भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में जापान अहम भूमिका में है।
- साथ ही जापान भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकीय आधुनिकीकरण में सबसे भरोसेमंद साथी है तथा भारत के लिए सबसे बड़ा निवेशक है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
   1. जापान द्वारा 1961 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कवरेज की स्थापना की गयी।
   2. 2018 में यूएचसी दिवस की थीम "यूनाइट फॉर यूनिवर्सल हेल्प कवरेज: नाऊ इज द टाइम फॉर कलेक्टिव एक्शन" है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: भारत द्वारा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। इस योजना में जापान, भारत के लिए किस प्रकार हितकर होगा? विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द)

नोट : 11 दिसम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d) होगा।